पाठ 7

1. परमेशवर ने इसे बनाने से पहले दुनिया कैसी थी?

-शुरुआत में रोशनी नहीं थी।

-शुरुआत में पूरी धरती पर अँधेरा छा गया।

2. परमेशवर ने पहले दिन प्रकाश कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सिर्फ बोलकर रोशनी पैदा की।

3. परमेशवर ने दूसरे दिन आकाश कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सिर्फ बोलकर ही आकाश बनाया है।

4. परमेश्वर ने पृथ्वी को ढकने वाले जल को कैसे अलग किया?

-परमेशवर ने पृथ्वी से कुछ पानी आकाश के ऊपर रखा।

-परमेशवर ने शेष पानी को पृथ्वी पर छोड़ दिया।

5. किसने पानी को पीछे हटने का आदेश दिया ताकि सूखी जमीन दिखाई दे?

-परमेशवर ने।

6. परमेश्वर जल को पीछे हटने की आज्ञा क्यों दे सकता है, और जल को आज्ञा का पालन करना चाहिए?

-क्योंकि परमेशवर ने पानी बनाया है।

7. परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को सिर्फ बोलकर बनाया है।

8. परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को किसके लिए बनाया?

-परमेशवर ने उन्हें हम लोगों के लिए बनाया है।

9. परमेशवर ने सभी पौधों और पेड़ों को क्यों बनाया?

-क्योंकि परमेशवर हमसे बहुत प्यार करते हैं।

10. परमेशवर ने सूर्य, चंद्रमा और सितारों को कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सिर्फ बोलकर ही सूर्य, चंद्रमा और सितारों को बनाया है।

11. परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को कैसे बनाया?

-परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को सिर्फ बोलकर बनाया है।

12. परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को किसके लिए बनाया?

-परमेशवर ने उन्हें हम लोगों के लिए बनाया है।

13. परमेशवर ने सभी मछलियों और पक्षियों को क्यों बनाया?

-क्योंकि परमेशवर हमसे बहुत प्यार करते हैं।

14. जो कुछ उसने बनाया था उसके बारे में परमेश्वर ने क्या कहा?

-परमेशवर ने कहा कि सब कुछ अच्छा था।

15. परमेश्वर सब कुछ पूर्ण बनाने में सक्षम क्यों था?

-क्योंकि ईश्वर पूर्ण है।

-छठे दिन परमेशवर ने क्या बनाया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:24-25

24 और परमेश्वर ने कहा, देश में अपक्की जाति के जीव जन्तु उत्पन्न हों, अर्थात पशु, और भूमि पर रेंगनेवाले जन्तु, और अपक्की जाति के वनपशु और वैसा ही हो गया।

25-परमेश्वर ने जंगली जानवरों को उनकी जाति के अनुसार बनाया, और सब प्राणियों को जो भूमि पर रेंगते हैं, उनकी जाति के अनुसार। और परमेशवर ने देखा कि यह अच्छा था।

-छठे दिन परमेशवर ने सभी जानवरों को बनाया।

-परमेशवर ने कितने अलग-अलग जानवर बनाए?

-इससे ज्यादा कोई गिन सकता है।

-कौन अकेला जानवरों को बनाने में सक्षम था?

-केवल परमेशवर।

-केवल परमेशवर ही जानवरों को बना सकते हैं।

-जब परमेशवर ने जानवरों को बनाना समाप्त कर दिया, तो पृथ्वी तैयार हो गई।

-क्या परमेशवर ने पृथ्वी को स्वर्गदूतों के लिए या शैतान और उसके राक्षसों के लिए तैयार किया?

-नहीं।

-परमेशवर ने किसके लिए पृथ्वी तैयार की?

-परमेशवर ने हम लोगों के लिए धरती तैयार की।

-परमेशवर ने लोगों के लिए एक आदर्श पृथ्वी तैयार की क्योंकि परमेशवर हमसे बहुत प्यार करते हैं।

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों के लिए पृथ्वी को तैयार नहीं किया।

-परमेशवर ने राक्षसों के लिए पृथ्वी को तैयार नहीं किया।

-परमेशवर ने पृथ्वी को शैतान के लिए तैयार नहीं किया।

-परमेशवर ने अकेले हम लोगों के लिए धरती तैयार की।

-आइए पढ़ें कि परमेश्वर ने हमारे लिए पृथ्वी तैयार करने के बाद क्या कहा:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:26

26 तब परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपके स्वरूप के अनुसार अपक्की समानता में बनाएं, और वे समुद्र की मछलियोंऔर आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी, और सब प्राणियोंपर अधिकार करें। जो जमीन के साथ चलते हैं। ”

-परमेशवर ने कहा, "आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में बनाएं।"

-परमेशवर किससे बात कर रहे थे?

-परमेशवर पिता , परमेशवर पुत्र, और परमेशवर पवित्र आत्मा एक साथ बात कर रहे थे।

- परमेशवर पिता, परमेशवर पुत्र, और परमेशवर पवित्र आत्मा हम लोगों को अपनी छवि में बनाने की बात कर रहे थे।

-परमेशवर ने जो कुछ भी बनाया है, उनमें से सबसे महत्वपूर्ण क्या है?

-लोग।

-क्योंकि परमेशवर ने जो कुछ भी बनाया है, उसमें सबसे महत्वपूर्ण लोग थे, परमेशवर ने हमें बनाने का फैसला कैसे किया?

-परमेशवर ने हमें अपनी छवि में बनाने का फैसला किया।

-परमेशवर ने लोगों को जानवरों से अलग कैसे बनाया?

-परमेशवर ने लोगों को परमेशवर की छवि में बनाया, लेकिन जानवरों में परमेशवर की छवि नहीं होती है।

-इसका क्या अर्थ है कि लोग परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए थे?

-इसका मतलब हमारे शरीर से नहीं है, क्योंकि परमेशवर के पास मांस और हड्डियों का शरीर नहीं है।

-हममें से जो हिस्सा परमेशवर की छवि में बनाया गया था वह वह हिस्सा है जिसे देखा नहीं जा सकता है।

-हम में से जो हिस्सा परमेशवर की छवि में बनाया गया था वह हमारी आत्मा है।

-हमारी आत्मा में हमारे तीन भाग होते हैं।

-हमारी आत्माओं में, हमारे पास एक मन, भावना और एक इच्छा है।

-हमारा मन, भावना और इच्छा ईश्वर के स्वरूप में बनी है।

-लोगों का कौन सा हिस्सा परमेशवर की छवि में बना है?

-हमारा मन, भावनाएं और इच्छा।

-सबसे पहले, परमेशवर ने हमारे मन को अपनी छवि में बनाया।

-क्योंकि परमेशवर के पास दिमाग है, उसने हमें दिमाग से बनाया है।

-परमेशवर सोच सकता है, और वह चाहता है कि हम सोचें।

-परमेशवर चाहते हैं कि हम अपने मन से क्या करें?

-परमेशवर चाहता है कि हम उसके बारे में सोचें जो अच्छा है।

-परमेशवर चाहता है कि हम परमेशवर के बारे में सोचें।

-परमेश्वर चाहता है कि हम उसके बारे में सोचें ताकि हम उसे जान सकें।

-क्या आप झाड़ियों में जानवरों के साथ रहना पसंद करेंगे और लोगों के साथ नहीं?

-नहीं।

-क्यों?

-क्योंकि जानवर न तो बोल सकते हैं और न ही सोच सकते हैं।

-जैसे आप अपने दोस्तों से बात करते हैं, वैसे ही परमेशवर चाहता है कि हम उसके साथ बात करें।

-परमेशवर के पास दिमाग है, और उसने हमें दिमाग से बनाया है।

-परमेशवर ने हमें एक दिमाग दिया है ताकि हम परमेशवर को जान सकें।

-दूसरा, परमेशवर ने हमारी भावनाओं को अपनी छवि में बनाया है।

-क्योंकि परमेशवर में भावनाएं हैं, उन्होंने हमें भावनाओं के साथ बनाया है।

-परमेशवर खुश हो सकता है, और वह चाहता है कि हम खुश रहें।

-परमेशवर चाहता है कि हम परमेशवर के बारे में खुश रहें।

-परमेशवर चाहता है कि हम उससे प्यार करें।

-परमेशवर भी नफरत करते हैं।

-परमेशवर किससे नफरत करते हैं?

-परमेशवर सभी पापों से नफरत करता है।

-पाप क्या है?

-पाप वह है जो परमेशवर नहीं चाहता।

-पाप वह सब कुछ है जो परमेशवर नहीं चाहता।

-परमेशवर को भी दुख होता है।

-परमेशवर किस बात से दुखी होते हैं?

-परमेशवर उन लोगों के लिए दुखी होते हैं जो उससे प्यार नहीं करते हैं।

-जैसे आप अपने बच्चों से प्यार करते हैं, वैसे ही परमेशवर भी आपसे प्यार करते हैं।

-परमेशवर के पास भावनाएं हैं, और उसने हमें भावनाओं के साथ बनाया है।

-परमेशवर ने हमें भावनाएं क्यों दीं?

-तो हम परमेशवर से प्यार कर सकते हैं।

-तीसरा, परमेशवर ने अपनी छवि में हमारी इच्छा बनाई।

-क्योंकि परमेशवर की एक इच्छा है, उसने हमें एक इच्छा के साथ बनाया है।

-परमेशवर चुन सकते हैं, और वह चाहता है कि हम चुनें।

-परमेशवर हमें अपनी इच्छा के साथ क्या करना चाहते हैं?

-परमेशवर चाहता है कि हम उसे चुनें जो अच्छा है।

-परमेशवर चाहता है कि हम परमेशवर को चुनें।

-परमेशवर चाहता है कि हम उसे चुनें ताकि हमारा जीवन अच्छा हो।

-जब आप बंदूक चलाते हैं, तो क्या बंदूक चुनती है कि क्या शूट करना है?

-नहीं।

-क्यों?

-क्योंकि बंदूक में वसीयत नहीं होती।

-जब आप अपनी नाव को पानी पर चढ़ाते हैं, तो क्या नाव चुनती है कि कहाँ जाना है?

-नहीं।

-क्यों?

-क्योंकि नाव में वसीयत नहीं होती।

-परमेशवर की एक इच्छा है, और उसने हमें एक इच्छा के साथ बनाया है।

-परमेशवर ने हमें एक इच्छा दी है ताकि हम परमेशवर को चुन सकें।

-आइए पहले मनुष्य को बनाने वाले परमेश्वर के बारे में पढ़ें:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:27

27 इस प्रकार परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार बनाया, परमेश्वर के स्वरूप के अनुसार उस ने उसे उत्पन्न किया; नर और मादा उसने उन्हें बनाया।

-शुरुआत में परमेशवर ने कितने लोगों को बनाया?

-केवल एक पुरुष और एक महिला।

-सबसे पहले, परमेशवर ने पहला आदमी बनाया।

-फिर, परमेशवर ने पहली महिला बनाई।

-सबसे पहले आदमी का नाम क्या था?

-आदम।

-सबसे पहले पुरुष और महिला को किसने बनाया?

-केवल परमेशवर ने।

-केवल परमेशवर ही लोगों को बना सकते हैं।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:7

7- यहोवा परमेश्वर ने मनुष्य को भूमि की मिट्टी से रचा है।

-परमेशवर ने आदम को जमीन की धूल से बनाया।

-लेकिन आदम अभी तक जीवित क्यों नहीं था?

-क्योंकि परमेश्वर ने अभी तक आदम में प्राण नहीं फूंका था।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:7

7-प्रभु परमेश्वर ने उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंक दिया, और वह मनुष्य जीवित प्राणी बन गया।

-आदम तभी जीवित हुआ जब परमेश्वर ने उसमें प्राण फूंक दिए।

-केवल परमेशवर ही लोगों में जान फूंक सकते हैं।

-केवल परमेशवर ही जीवन दे सकते हैं।

-आदम पूरी मानव जाति की शुरुआत है।

-आदम पूरी मानव जाति के पिता हैं।

-शुरुआत में परमेशवर ने गोरे आदमी और काले आदमी को नहीं बनाया।

-शुरुआत में परमेशवर ने केवल एक पुरुष और एक महिला को बनाया।

-सभी लोग आदम से आते हैं।

-सभी लोग आदम के वंशज हैं।

-परमेशवर ने आदम को बनाने के बाद, परमेशवर ने आदम के साथ क्या किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:28

28-परमेश्वर ने उन्हें आशीष दी और उन से कहा, फूलो-फलो, और गिनती में बढ़ो; पृथ्वी को भर दो और उसे अपने वश में कर लो। समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और भूमि पर रेंगनेवाले सब जन्तुओं पर प्रभुता करो।"

-परमेशवर ने आदम को सारी पृथ्वी का मुखिया बनाया।

-स्वर्गदूत पृथ्वी के प्रमुख क्यों नहीं हैं?

-क्योंकि परमेशवर ने लोगों को पृथ्वी का प्रमुख बनाया है।

-राक्षस पृथ्वी के मुखिया क्यों नहीं हैं?

-क्योंकि परमेशवर ने लोगों को पृथ्वी का प्रमुख बनाया है।

-पृथ्वी को किसने बनाया?

-परमेशवर ने।

-पृथ्वी किसकी थी?

-परमेशवर की।

-लोगों को पृथ्वी का मुखिया बनाने का निर्णय किसका था?

-केवल परमेशवर का।

-सब कुछ बनाने के बाद परमेशवर ने क्या कहा?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:31

31-परमेश्वर ने वह सब देखा जो उसने बनाया था, और वह बहुत अच्छा था। और साँझ हुई, और भोर हुई - छठा दिन।

-परमेशवर द्वारा सब कुछ बनाने के बाद, परमेशवर ने देखा कि यह बहुत अच्छा था।

-क्योंकि ईश्वर पूर्ण है, ईश्वर जो कुछ भी बनाता है वह परिपूर्ण है।

-शुरुआत में जीवन कैसा था?

-शुरुआत में गुस्सा नहीं था।

-शुरुआत में नफरत नहीं थी।

-शुरुआत में कोई बुराई नहीं थी।

-शुरुआत में कोई मौत नहीं हुई थी।

-शुरुआत में परमेशवर ने हर चीज को परफेक्ट बनाया।

-कौन देख रहा था जब परमेशवर ने एक परिपूर्ण दुनिया बनाई?

-परमेश्वर के स्वर्गदूत, शैतान और उसके राक्षस।

-परमेशवर के स्वर्गदूतों ने देखा कि परमेशवर ने सब कुछ परिपूर्ण बनाया है।

- और वे खुश थे।

-क्या शैतान और उसके दुष्टात्माएँ खुश थे कि परमेश्वर ने एक सिद्ध संसार की रचना की?

-नहीं।

-शैतान और उसके राक्षसों ने देखा कि परमेश्वर ने सब कुछ सिद्ध कर दिया है, और वे बहुत क्रोधित हुए।

-शैतान और उसके राक्षसों ने देखा कि परमेश्वर ने लोगों को अपने स्वरूप में बनाया है, और वे बहुत क्रोधित हुए।